भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 224

02 फरवरी, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

औषधीय पौधों का उत्पादन और निर्यात

224. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान देश, विशेषकर महाराष्ट्र में औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितना उत्पादन हुआ है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रदान की गई वित्तीय सहायता का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान महाराष्ट्र सहित देश से औषधीय पौधों का कितनी मात्रा में निर्यात किया गया है;

(घ) महाराष्ट्र सहित देश में आयुर्वेदिक और हर्बल दवाओं के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ङ) क्या सरकार किसी योजना के अंतर्गत औषधीय पौधों की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करती है/प्रोत्साहित करने का विचार है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा उभरते हुए न्यूट्रास्यूटिकल उद्योग को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने औषधीय पादपों की खेती को बढ़ावा देने के लिए 2015-16 से 2020-21 तक राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की "केंद्रीय प्रायोजित योजना" कार्यान्वित की थी। राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) योजना के 'औषधीय पादप' घटक के अंतर्गत, चिन्हित समूहों/क्षेत्रों में 140 प्राथमिकता वाले औषधीय पादपों की बाजार संचालित खेती के लिए सहायता दी गई और महाराष्ट्र राज्य सहित संपूर्ण देश में चयनित राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों के माध्यम से मिशन मोड में इसका कार्यान्वन किया गया था। योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार, निम्नलिखित के लिए सहायता प्रदान की गई:

(i) किसान की भूमि पर प्राथमिकता वाले औषधीय पादपों की खेती।

(ii) गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री उगाने और उसकी आपूर्ति करने के लिए बैकवर्ड लिंकेजेज के साथ पौधशालाओं की स्थापना।

राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) योजना के विगत तीन वर्षों के दौरान, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के 'औषधीय पादप' घटक के तहत, आयुष मंत्रालय ने महाराष्ट्र सहित संपूर्ण देश में औषधीय पादपों की खेती के लिए वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2020-21 के दौरान 25,108 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए सहायता दी क्योंकि यह

योजना वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2020-21 तक कार्यान्वित की गई थी। इसका ब्यौरा **संलग्नक-I** में दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, सांख्यिकी प्रभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा साझा किए गए और वेबसाइट (https://static.pib.gov.in/WriteReadData/userfiles/attachment.pdf) से प्राप्त अंतिम आकलन के अनुसार, यह देखा गया है कि देश भर में औषधीय और सुगंधित पादपों का उत्पादन 3698000 मीट्रिक टन था जिसका ब्यौरा **संलग्नक-II** में दिया गया है।

(ख): आयुष मंत्रालय ने महाराष्ट्र सहित संपूर्ण देश में राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) योजना के 'औषधीय पादप' घटक के अंतर्गत औषधीय पादपों और जड़ी-बूटियों की खेती को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) योजना के अंतिम तीन वर्षों के दौरान 6305.240 लाख रुपये (राज्य अंश सहित) की राशि का अनुमोदन किया था। राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) योजना के अंतर्गत औषधीय पादपों की खेती के लिए अनुमोदित की गई निधियों का राज्य-वार और वर्ष-वार ब्यौरा **संलग्नक-III** में दिया गया है।

(ग): वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष में औषधीय पादपों के निर्यात (एचएस कोड 1211 के अंतर्गत) की मात्रा निम्नलिखित है (सभी आकंड़े टन में):

2020-21	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24(अप्रैल-सितम्बर)**
107961.09	102731.32	95813.41	41259.22

स्रोत: डीजीसीआई एंड एस

(घ): आयुष मंत्रालय ने समग्र देश में आयुष औषधि गुणवत्ता एवं उत्पादन संवर्धन योजना (एओजीयूएसवाई) नामक केंद्रीय क्षेत्र योजना कार्यान्वित की है जिसे स्थायी वित्त समिति (एसएफसी) द्वारा दिनांक 16.03.2021 को अनुमोदित किया गया था। इस योजना का पांच वर्षों के लिए कुल वित्तीय आवंटन 122.00 करोड़ रूपये है। योजना के उद्देश्य निम्नानुसार हैं:

i. आत्म-निर्भर भारत की पहल के तहत भारत की विनिर्माण क्षमताओं और पारंपरिक औषधियों और स्वास्थ्य संवर्धन उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना।
ii. आयुष औषधियों और सामग्रियों के मानकीकरण, गुणवत्ता विनिर्माण और विश्लेषणात्मक परीक्षण के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में पर्याप्त संरचना और तकनीकी उन्नयन तथा संस्थागत क्रियाकलापों की सुविधा प्रदान करना।
iii प्रभावी गुणवत्ता नियंत्रण, सुरक्षा निगरानी और आयुष औषधियों के भ्रामक विज्ञापनों की निगरानी के लिए केंद्र और राज्य स्तर पर नियामक ढांचे को मजबूत करना।
iv. आयुष औषधियों और सामग्रियों के मानकों और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए सामंजस्य, सहयोग और अभिसरण दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना। विस्तृत दिशा-निर्देश निम्नलिखित वेबसाइट पर उपलब्ध हैं: **https://ayush.gov.in/images/Schemes/aoushdhi.pdf**

(ङ) और (च): जी हां। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन की केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत, सूचना शिक्षा एवं संचार (आईईसी) कार्यनीति के जरिए जागरूकता विकास कार्यक्रम एवं अनुभव दौरे आयोजित करने, हितधारकों की शिक्षा एवं क्षमता वर्धन के लिए विभिन्न संस्थानों/संगठनों को सहायता प्रदान करता है।

एनएमपीबी ने संरक्षण, खेती, फसलोपरांत प्रबंधन और विपणन जैसे औषधीय पादपों के विभिन्न पहलुओं के बारे में किसानों सहित हितधारकों को शिक्षित करने के लिए वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक विभिन्न आईईसी क्रियाकलापों की **129** परियोजनाओं को सहायता प्रदान की है। इसका ब्यौरा **संलग्नक-IV** में दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के अंतर्गत, विगत तीन वर्षों के दौरान संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों के 13227 किसानों के लिए 167 संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/क्रेता-विक्रेता बैठकों/अनुभव दौरों और प्रशिक्षणों के लिए सहायता दी गई। फ्लेक्सी घटक के तहत सहायता प्राप्त योजनाओं का ब्यौरा **संलग्नक-V** और **VI** में दिया गया है।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) औषधीय पादपों सहित विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास कार्य करने के लिए एक स्वायत्त अनुसंधान एवं विकास संगठन है। सीएसआईआर प्रयोगशालाएँ विशेषत: सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट आफ हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी (आईएचबीटी), सीएसआईआर-पूर्वोत्तर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एनईआईएसटी), सीएसआईआर-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकीय अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई), सीएसआईआर-राष्ट्रीय अंतरविषयक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईआईएसटी), सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं सुगंधित पादप संस्थान (सीआईएमएपी) आदि सीएसआईआर द्वारा कार्यान्वित मिशन मोड प्रोग्राम के माध्यम से न्यूट्रास्यूटिकल्स विकसित करने में सम्मिलित हैं। उभरते एवं स्थापित दोनों तरह के न्यूट्रास्यूटिकल उद्योगों को सीएसआईआर और उद्योग द्वारा सहयोगात्मक तरीके से विकसित न्यूट्रास्यूटिकल के व्यावसायिक विकास के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

सीएसआईआर ने महत्वपूर्ण प्रगति की है और "न्यूट्रास्यूटिकल्स एंड न्यूट्रिशनल्स-हेल्थ एंड वेलनेस रीच आउट थ्रू न्यूट्रास्यूटिकल्स एंड न्यूट्रिशनल्स" (2018-2020) और "इम्युनिटी मिशन-इम्यूनोमॉड्यूलेटरी फंक्शन ऑफ न्यूट्रिशनल्स एंड न्यूट्रास्यूटिकल्स फॉर हेल्थ एंड वेलनेस" (2021-2023) पर मिशन मोड कार्यक्रम के तहत स्थानीय रूप से उपलब्ध जैव संसाधन पर आधारित विभिन्न स्वास्थ्य संवर्धन न्यूट्रास्यूटिकल उत्पादों को विकसित किया है। सीएसआईआर-आईएचबीटी की प्रमुख सफलताओं में विटामिन-डी संवर्धन, हड्डी और उपास्थि स्वास्थ्य, अनुभूति, प्रतिरक्षा और नींद संबंधी विकारों के इलाज के लिए न्यूट्रास्युटिकल फॉर्मूलेशन का विकास शामिल हैं। सीएसआईआर की सामाजिक उत्तरदायित्व को ध्यान में रखते हुए, उन स्कूली बच्चों के लिए क्षेत्र विशेष और अखिल भारतीय पौष्टिक अल्पाहार/टिफिन/नाश्ता जैसे उत्पाद भी विकसित किए गए, जो भोजन आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से पोषक तत्वों की रिकमेंडेड डाइटरी अलाउंसेस (आरडीए) आवश्यकता को पूरा करते हैं। इन मिशनों में विकसित न्यूट्रास्युटिकल उत्पाद वैज्ञानिक रूप से मान्य हैं और उनकी सुरक्षा और प्रभावकारिता के लिए मानव उपचार परीक्षणों से गुजर चुके हैं। न्यूट्रास्यूटिकल्स और पोषण पर सीएसआईआर मिशन के तहत विटामिन बी12 की बढ़ी हुई जैव उपलब्धता के लिए न्यूट्रास्युटिकल फॉर्मूलेशन, *लैंटिनुला एडोड्स* (शिताके) से विटामिन डी2 समृद्ध फॉर्मूलेशन का विकास, ऐजिंग बोन के लिए काएम्फेरोल-समृद्ध न्यूट्रास्युटिकल, पारंपरिक ज्ञान पर आधारित उपास्थि स्वास्थ्य के लिए *पुनिका ग्रैनटम* पील आधारित न्यूट्रास्युटिकल, बेंजियन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया के इलाज के लिए न्यूट्रास्युटिकल, अल्पाहार के लिए अखिल भारतीय पोषक खाद्य पदार्थ (त्वरित पोषक उपमा, त्वरित पोषक पोहा, त्वरित पोषक खिचड़ी इत्यादि) जैसे न्यूट्रास्यूटिकल उत्पाद विकसित किए गए।

सीएसआईआर इम्युनिटी मिशन के तहत, रोग प्रतिरक्षण क्षमता संबंधी शिथिलता से निपटने के लिए टी पॉलीफेनोल्स सहित अनेक इम्यूनोमॉड्यूलेटरी जड़ी-बूटियों और उनके संयोजनों का पता लगाया गया। मिशन

के तहत स्थानीय रूप से उपभोग किए जाने वाले फलों और सब्जियों, उनके वानस्पतिक-तत्वों और रोग प्रतिरक्षण क्षमता बढ़ाने वाले गुणों पर डिजिटल दस्तावेज़ीकरण और वेब पोर्टल के विकास के साथ व्यापक मोनोग्राफ भी विकसित किया गया। इसके अतिरिक्त, इम्यूनोबूस्टिंग फाइटोकेमिकल्स के लिए कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण से पादप विशिष्ट स्क्रीनिंग भी सामने आई, जिसमें उनकी प्रतिक्रिया और फार्माकोलॉजिकल प्रोफ़ाइल भी शामिल था।

सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं सुगंधित पादप संस्थान (सीएसआईआर-सीआईएमएपी), लखनऊ, महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न भागों में औषधीय और सुगंधित पादपों की उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों, अधिक उपज देने वाली किस्मों और औषधीय और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के विकास के माध्यम से औषधीय और सुगंधित पादपों पर आधारित क्रियाकलापों को बढ़ावा दे रहा है। औषधीय और सुगंधित पादपों के उत्पादन, प्राथमिक प्रसंस्करण और विपणन पहलुओं पर विभिन्न जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके किसानों और उद्यमियों के बीच प्रौद्योगिकी प्रसार के लिए भी प्रयास किए गए हैं। विगत चार वर्षों 2019-20, 2020-21, 2021-22, 2022-23 और वर्तमान वर्ष 2023-24 के दौरान कुल 10 किसान मेलों का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 24,200 किसानों, उद्यमियों और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया और औषधीय एवं सुगंधित पादपों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसी अवधि के दौरान, संस्थान द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में दो-तीन दिवसीय कौशल-सह-प्रौद्योगिकी उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रमों सहित कुल 59 कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिनमें कुल 3462 किसानों/उद्यमियों का कौशल विकास हुआ। कुल 181 एक दिवसीय आउट-रीच जागरूकता-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिनमें देश के विभिन्न क्षेत्रों में औषधीय और सुगंधित पादपों की खेती और प्रसंस्करण पहलुओं पर 11,649 किसानों को जागरूक किया गया। सीएसआईआर-सीआईएमएपी ने उद्योग के लिए कतिपय न्यूट्रास्युटिकल उत्पाद जैसे सीआईएम-फाल्से और सीआईएम-पौशक विकसित किए हैं।

*****

संलग्नक - I

राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के माध्यम से औषधीय पादपों की खेती के तहत वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक सहायता प्राप्त क्षेत्र का ब्यौरा

(क्षेत्र हेक्टेयर में)

क्र. सं.	**राज्य**	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**कुल**
1	आंध्र प्रदेश	508	1338	0	1846
2	अरुणाचल प्रदेश	9	44	98	151
3	असम	138	0	0	138
4	बिहार	0	175	0	175
5	छत्तीसगढ़	108	0	0	108
6	गोवा	30	30	0	60
7	गुजरात	518	0	0	518
8	हरियाणा	0	0	0	0
9	हिमाचल प्रदेश	0	70	0	70
10	जम्मू एवं कश्मीर	24	28	25	77
11	कर्नाटक	469	353	1100	1922
12	केरल	410	0	330	740
13	मध्य प्रदेश	1262	790	4270	6322
14	**महाराष्ट्र**	**0**	**520**	**0**	**520**
15	मणिपुर	60	30	0	90
16	मेघालय	0	108	0	108
17	मिजोरम	187	6	29	222
18	नागालैंड	103	0	210	313
19	ओडिशा	378	0	0	378
20	पुडुचेरी	2	5	0	7
21	पंजाब	16	340	0	356
22	राजस्थान	519	760	0	1279
23	सिक्किम	0	0	58	58
24	तमिलनाडु	765	900	0	1665
25	तेलंगाना	237	341	0	578
26	त्रिपुरा	211	0	0	211
27	उत्तराखंड	110	208	0	318
28	उत्तर प्रदेश	3633	0	2236	5869
29	पश्चिम बंगाल	261	748	0	1009
कुल		**9958**	**6794**	**8356**	**25108**

संलग्नक - II

समग्र देश में औषधीय एवं सुगंधित पादपों के उत्पादन के क्षेत्रफल के आकलन का वर्षवार ब्यौरा

क्र. सं.	**वित्तीय वर्ष**	**औषधीय एवं सुगंधित पादपों का उत्पादन (मीट्रिक टन में)**
1.	2018-19	795000
2.	2019-20	734000
3.	2020-21	825000
4.	2021-22	664000
5.	2022-23	680000
कुल		**3698000**

संलग्नक - III

राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के अंतर्गत औषधीय पादपों की खेती के लिए वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक अनुमोदित निधियों का ब्यौरा

(रूपये लाख में)

क्र . .सं	**राज्य**	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**कुल**
1	आंध्र प्रदेश	69.279	220.408	0.000	289.688
2	अरुणाचल प्रदेश	9.360	26.255	59.500	95.115
3	असम	28.122	0.000	0.000	28.122
4	बिहार	0.000	74.487	0.000	74.487
5	छत्तीसगढ़	28.107	0.000	0.000	28.107
6	गोवा	9.437	9.742	0.000	19.179
7	गुजरात	178.670	0.000	0.000	178.670
8	हरियाणा	0.000	0.000	0.000	0.000
9	हिमाचल प्रदेश	0.000	54.444	0.000	54.444
10	जम्मू एवं कश्मीर	21.504	18.288	21.539	61.331
11	कर्नाटक	86.485	114.673	359.881	561.039
12	केरल	115.265	0.000	101.112	216.377
13	मध्य प्रदेश	249.359	287.873	853.736	1390.968
14	**महाराष्ट्र**	**0.000**	**285.356**	**0.000**	**285.356**
15	मणिपुर	17.580	15.829	0.000	33.409
16	मेघालय	0.000	31.526	0.000	31.526
17	मिजोरम	39.640	0.954	10.304	50.899
18	नगालैंड	38.042	0.000	75.482	113.524
19	ओडिशा	85.064	0.000	0.000	85.064
20	पुदुचेरी	0.393	0.783	0.000	1.176
21	पंजाब	9.469	66.154	0.000	75.623
22	राजस्थान	203.239	327.848	0.000	531.087
23	सिक्किम	0.000	0.000	40.989	40.989
24	तमिलनाडु	173.089	260.995	0.000	434.084
25	तेलंगाना	36.874	65.748	0.000	102.622
26	त्रिपुरा	42.897	0.000	0.000	42.897
27	उत्तराखंड	55.667	133.595	0.000	189.262
28	उत्तर प्रदेश	564.051	0.000	503.012	1067.063
29	पश्चिम बंगाल	62.201	160.933	0.000	223.134
कुल		**2123.794**	**2155.891**	**2025.555**	**6305.240**

संलग्नक - IV

औषधीय पादप संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन की केंद्रीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत देश भर में विभिन्न आईईसी कार्यकलापों के लिए वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक संगठनों की सहायता प्राप्त परियोजनाओं की संख्या का ब्यौरा

क्र. सं.	राज्य	वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2022-23 के दौरान संस्वीकृत परियोजनाओं की संख्या					कुल
		2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	
1	आंध्र प्रदेश	0	0	1	1	1	**3**
2	अरुणाचल प्रदेश	1	0	0	0	0	**1**
3	असम	2	0	1	3	2	**8**
4	बिहार	0	0	0	0	0	**0**
5	छत्तीसगढ़	0	0	0	0	0	**0**
6	दिल्ली	7	3	2	5	3	**20**
7	गुजरात	0	0	0	0	0	**0**
8	हरियाणा	1	0	1	0	1	**3**
9	हिमाचल प्रदेश	0	0	0	0	0	**0**
10	जम्मू एवं कश्मीर	0	1	0	0	0	**1**
11	झारखंड	0	0	0	0	3	**3**
12	कर्नाटक	4	2	0	3	1	**10**
13	केरल	0	1	0	0	2	**3**
14	लद्दाख	0	0	0	0	2	**2**
15	मध्य प्रदेश	1	0	0	0	3	**1**
16	महाराष्ट्र	1	4	2	0	2	**9**
17	मणिपुर	2	1	0	0	1	**4**
18	मेघालय	1	1	1	0	0	**3**
19	मिजोरम	1	0	0	0	1	**2**
20	नागालैंड	2	0	0	0	0	**2**
21	ओडिशा	1	1	2	3	1	**8**
22	पंजाब	2	0	1	1	1	**5**
23	राजस्थान	2	1	1	0	0	**4**
24	सिक्किम	0	0	0	0	0	**0**
25	तमिलनाडु	5	2	0	4	7	**18**
26	तेलंगाना	0	0	0	0	0	**0**
27	उत्तर प्रदेश	3	3	0	2	1	**9**
28	उत्तराखंड	2	1	0	0	0	**3**
29	पश्चिम बंगाल	2	1	1	1	2	**7**
कुल		**40**	**22**	**13**	**23**	**31**	**129**

संलग्नक-V

आयुष मंत्रालय की "राष्ट्रीय आयुष मिशन" (एनएएम) योजना के औषधीय पादप घटक के तहत वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक सहायता प्राप्त आईईसी कार्यकलापों (संगोष्ठी/कार्यशाला/क्रेता-विक्रेता बैठक/अनुभव दौरों) का राज्य-वार ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य	2018-19	2019-20	2020-21	कुल
1	आंध्र प्रदेश	4	5	0	9
2	अरुणाचल प्रदेश	1	0	0	1
3	असम	0	0	0	0
4	बिहार	0	3	0	3
5	छत्तीसगढ़	4	0	0	4
6	गोवा	0	1	0	1
7	गुजरात	6	0	0	6
8	हरियाणा	0	0	0	0
9	हिमाचल प्रदेश	0	3	0	3
10	जम्मू एवं कश्मीर	1	2	1	4
11	कर्नाटक	1	8	2	11
12	केरल	0	0	0	0
13	मध्य प्रदेश	24	12	12	48
14	महाराष्ट्र	0	0	0	0
15	मणिपुर	2	0	0	2
16	मेघालय	0	1	0	1
17	मिजोरम	5	2	2	9
18	नागालैंड	0	0	0	0
19	ओडिशा	3	0	0	3
20	पुडुचेरी	0	0	0	0
21	पंजाब	3	5	0	8
22	राजस्थान	7	4	0	11
23	सिक्किम	0	0	1	1
24	तमिलनाडु	0	0	0	0
25	तेलंगाना	2	4	0	6
26	त्रिपुरा	0	0	0	0
27	उत्तराखंड	0	1	0	1
28	उत्तर प्रदेश	17	0	14	31
29	पश्चिम बंगाल	2	2	0	4
कुल		**82**	**53**	**32**	**167**

टिप्पणी: संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों से प्राप्त सूचना के अनुसार

संलग्नक - VI

आयुष मंत्रालय की "राष्ट्रीय आयुष मिशन" (एनएएम) योजना के औषधीय पादप घटक के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक प्रशिक्षण के लिए सहायता प्राप्त किसानों की संख्या

क्र. सं.	राज्य का नाम	2018-19	2019-20	2020-21	कुल
1	आंध्र प्रदेश	325	60	0	**385**
2	अरुणाचल प्रदेश	75	50	0	**125**
3	असम	0	0	0	**0**
4	बिहार	0	700	0	**700**
5	छत्तीसगढ़	200	0	0	**200**
6	गोवा	25	50	0	**75**
7	गुजरात	800	0	0	**800**
8	हरियाणा	0	0	0	**0**
9	हिमाचल प्रदेश	0	0	0	**0**
10	जम्मू एवं कश्मीर	518	200	0	**718**
11	कर्नाटक	100	225	50	**375**
12	केरल	100	100	0	**200**
13	मध्य प्रदेश	440	500	250	**1190**
14	महाराष्ट्र	0	0	0	**0**
15	मणिपुर	200	0	0	**200**
16	मेघालय	0	0	0	**0**
17	मिजोरम	500	200	200	**900**
18	नागालैंड	0	0	0	**0**
19	ओडिशा	200	0	0	**200**
20	पुडुचेरी	0	50	0	**50**
21	पंजाब	150	200	0	**350**
22	राजस्थान	850	800	0	**1650**
23	सिक्किम	0	0	0	**0**
24	तमिलनाडु	0	250	0	**250**
25	तेलंगाना	0	360	0	**360**
26	त्रिपुरा	249	0	0	**249**
27	उत्तराखंड	500	150	0	**650**
28	उत्तर प्रदेश	2000	0	1000	**3000**
29	पश्चिम बंगाल	300	300	0	**600**
किसानों की कुल संख्या		**7532**	**4195**	**1500**	**13227**

टिप्पणी: संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों से प्राप्त सूचना के अनुसार